आईआईएम रांची में मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर भव्य आयोजन

मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर छात्रों ने किया अंधविश्वास और पंच परमेश्वर का मंचन

आइआइएम रांची

संवाददाता, रांची

नाटक का मंचन करते विद्यार्थी.

आइआइएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ और नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति, केंद्रीय कार्यालय रांची के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर आयकर विभाग के सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं नराकास रांची के सदस्य सचिव प्रसून कुमार उपस्थित रहे. कार्यक्रम समन्वयक प्रो सत्यम ने कहा कि छठी-सातवीं कक्षा में एक लेख के माध्यम से उनका परिचय पहली बार प्रेमचंद की रचनाओं से हुआ था. इसके बाद उपन्यासों और कहानियों के जरिये यह जुड़ाव निरंतर गहराता गया. संस्थान के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की बातें और उनके आदर्श आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं. उन्होंने सरलता अपनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आज का युग भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हो गया है, लेकिन समाज में सोशल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देना जरूरी है. उन्होंने बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को प्रेमचंद की रचनाएं पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि साहित्य केवल कहानियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से प्रबंधन, नेतृत्व, नैतिकता और सही निर्णय लेने की क्षमता को गहराई से समझा जा सकता है. प्रसून कुमार ने नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति की भूमिका और महत्व पर चर्चा की. उन्होंने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है, ताकि शासन की भाषा आम नागरिकों की भाषा बन सके और लोग उससे सहजता से जुड़ सकें. जयंती विशेष समारोह का मुख्य आकर्षण शानदार नाट्य प्रस्तुतियां रहीं. आइआइएम रांची के ड्रामेबाज क्लब के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियों अंधविश्वास और पंच परमेश्वर का मंचन किया.

Prabhat Khabar_01.08.2026_P. 6

प्रेमचंद जयंती

IIM में ईदगाह-पंच परमेश्वर का मंचन

सिटी रिपोर्टर • आईआईएम रांची में मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर विशेष समारोह आयोजित हुआ। निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में सोशल इंटेलिजेंस', नैतिकता व बेहतर प्रबंधन सीखने के लिए प्रेमचंद का साहित्य बेहद प्रासंगिक है। ड्रामेबाज क्लब के छात्रों ने 'अंधविश्वास' व 'पंच परमेश्वर' व JFTA के कलाकारों ने 'ईदगाह' कहानी का मार्मिक मंचन कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

Dainik Bhaskar_01.08.2026_P. 4

शहर में मुंशी प्रेमचंद की मनाई गई जयंती

एआई युग में भी मुंशी प्रेमचंद के विचार प्रासंगिक

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), केंद्रीय कार्यालय रांची ने शुक्रवार को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम में प्रेमचंद के साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता, प्रबंधन शिक्षा में उसकी उपयोगिता व मानवीय मूल्यों पर चर्चा की गई।

संस्थान के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव बोले, आज भले ही दुनिया एआई के दौर में हो, पर समाज को सबसे अधिक आवश्यकता सोशल इंटेलिजेंस की है। आयकर विभाग के सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं नराकास रांची के सदस्य सचिव प्रसून कुमार मौजूद रहे।

नाट्य से जीता दर्शकों का दिल : कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां रहीं। आईआईएम रांची के ड्रामेबाज़ क्लब के विद्यार्थियों ने अंधविश्वास और पंच परमेश्वर का मंचन किया। वहीं झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी के कलाकारों की ओर से ईदगाह की मार्मिक प्रस्तुति ने पूरे सभागार को भावुक कर दिया।

वीमेंस कॉलेज में याद किए गए प्रेमचंद

रांची वीमेंस कॉलेज के हिंदी विभाग ने शुक्रवार को प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया। मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के प्रो विंध्यवासिनी नंदन पांडेय थे। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य हमें संदेश देता है कि साहित्य का उद्देश्य सिर्फ समाज का चित्रण करना नहीं, बल्कि समाज में जागरुकता, संवेदनशीलता और परिवर्तन की चेतना उत्पन्न करना है। उनके पात्र आज भी हमारे आसपास जीवित दिखाई देते हैं, इसलिए उनका साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान को किया याद

डीएसपीएमयू में मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर शुक्रवार को प्रेमचंद व भारतीय समाज विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें उनके साहित्यिक अवदान को याद किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि साहित्य सबके हित के लिए होता है। साहित्य की प्रासंगिकता तभी है जब वह त्रिकालवाध्य न हो।

Hindustan_01.08.2026_P. 10

प्रेमचंद की सीख आज भी प्रासंगिक : प्रो. श्रीवास्तव

July 31, 2026 Khaberaajtak@gmail.com 1 min read

रांची: आईआईएम रांची में शुक्रवार को मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती मनाई गई। निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एआई के दौर में भी प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक संवेदनशीलता, नैतिकता और नेतृत्व की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में आयकर विभाग के सहायक निदेशक (राजभाषा) प्रसून कुमार ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में नराकास की भूमिका बताई। आईआईएम रांची के 'ड्रामेबाज़ क्लब' ने 'पंच परमेश्वर' व 'अंधविश्वास' तथा झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी ने 'ईदगाह' का मंचन किया। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

Khabarajjtak_31.07.2026_Online

आईआईएम रांची में मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर भव्य आयोजन

एआई के दौर में सोशल इंटेलिजेंस और बेहतर प्रबंधन के लिए प्रेमचंद का साहित्य प्रासंगिक : प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव

By VIKASH SRIVASTAVA July 31, 2026 CAMPUS No Comments 2 Mins Read

Campus Boom.

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), केंद्रीय कार्यालय, रांची के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हिंदी के महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में आयकर विभाग के सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं नराकास (केंद्रीय कार्यालय) रांची के

सदस्य सचिव प्रसून कुमार सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक प्रो. सत्यम ने स्वागत भाषण देते हुए मुंशी प्रेमचंद के जीवन और उनके कालजयी साहित्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्कूली जीवन से ही प्रेमचंद की रचनाओं से उनका जुड़ाव रहा है और आज भी उनकी कहानियाँ समाज, नैतिकता, संघर्ष तथा

मानवीय मूल्यों को समझने की प्रेरणा देती हैं।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस दौर में भी मुंशी प्रेमचंद के विचार पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ समाज में '**सोशल इंटेलिजेंस**' को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेमचंद की रचनाएँ पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि साहित्य के माध्यम से प्रबंधन, नेतृत्व, नैतिकता और सही निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

सम्मानित अतिथि प्रसून कुमार ने नराकास की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एआई के युग में भी प्रेमचंद का साहित्य समाज को समझने, संवेदनशील बनने और जीवन में सही

निर्णय लेने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नाट्य प्रस्तुतियाँ रहीं। आईआईएम रांची के 'ड्रेमेबाज़ क्लब' के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियों '**अंधविश्वास**' और '**पंच परमेश्वर**' का प्रभावशाली मंचन किया। वहीं झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी के कलाकारों ने प्रेमचंद की चर्चित कहानी '**ईदगाह**' का भावपूर्ण नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर

दिया।

समारोह के समापन पर अतिथियों ने सभी प्रतिभागी कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और हिंदी भाषा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया।

Campus Boom_31.07.2026_Online

https://www.campusboom.com/campus-hindi-news/grand-event-on-the-146th-birth-anniversary-of-munshi-premchand-at-iim-ranchi-16622/

आईआईएम रांची में प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर साहित्य और प्रबंधन का संगम

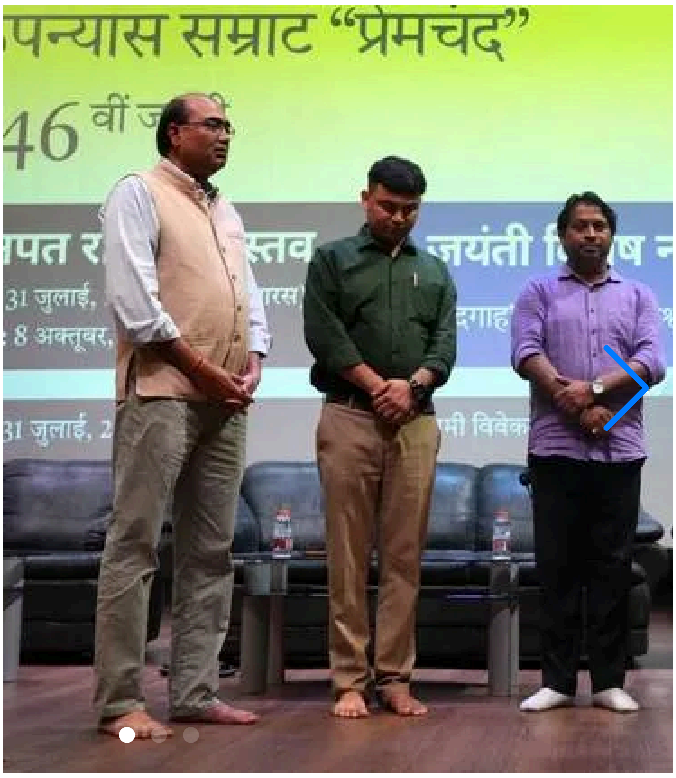

- एआई के दौर में सोशल इंटेलिजेंस बढ़ाने की जरूरत : प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव

रांची, 31 जुलाई: उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर आईआईएम रांची में शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईआईएम रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), केंद्रीय कार्यालय, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में साहित्य, समाज और प्रबंधन के आपसी संबंधों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में आयकर विभाग के सहायक निदेशक (राजभाषा) सह नराकास केंद्रीय कार्यालय, रांची के सदस्य सचिव प्रसून कुमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सत्यम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मुंशी प्रेमचंद के जीवन और उनकी साहित्यिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं समाज, नैतिकता, संघर्ष और मानवीय मूल्यों की गहरी समझ विकसित करती हैं।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में भी मुंशी प्रेमचंद के विचार और आदर्श पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि आज का समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का है, लेकिन समाज को बेहतर बनाने के लिए सोशल इंटेलिजेंस यानी सामाजिक समझ और संवेदनशीलता भी जरूरी है।

उन्होंने बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को प्रेमचंद की रचनाएं पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है,

हिंदी के प्रसार पर दिया जोर

मुख्य अतिथि प्रसून कुमार ने नराकास की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हिंदी शासन और आम जनता के बीच संवाद का मजबूत माध्यम बन सकती है। एआई के दौर में भी प्रेमचंद का साहित्य समाज को समझने और संवेदनशील बनने की प्रेरणा देता है।

'पंच परमेश्वर' और 'ईदगाह' के मंचन ने मोहा मन

समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। आईआईएम रांची के ड्रामेबाज क्लब के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियों 'अंधविश्वास' और 'पंच परमेश्वर' का मंचन किया। वहीं झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी के कलाकारों ने प्रेमचंद की कालजयी कहानी 'ईदगाह' का भावपूर्ण मंचन कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में बेहतर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों और प्रतिभागियों को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में संस्थान के शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

Dehaat News_31.07.2026_Online

https://dehaatnews.com/viewfull/6a6ccc6439dbc1b47e331d81